दैनिक
नज़रिया खबर
भारत सरकार के डीएवीपी व राज्य सरकार द्वारा विज्ञापन के लिए मान्यता प्राप्त

पेज-02

RNI:UTTHIN/2008/25052

वर्षः18 | अंकः 18 | देहरादून, गुरुवार 17 जुलाई, 2025 | पृष्ठः 08 | मूल्यः 1/रु. प्रति

न्यूज डायरी

मेरा वोट मेरी पहचान, मेरा वृक्ष मेरी जान मतदाता जागरूकता और हरियाली का संकल्प

भीमताल। हरेला पर्व के शुभ अवसर पर स्वीप नैनीताल द्वारा ष्मेरा वोट मेरी पहचान, मेरा वृक्ष मेरी जानष थीम के अंतर्गत एक विशेष मतदाता जागरूकता कार्यक्रम और वृहद वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम मुख्य शिक्षा अधिकारी एवं समन्वयक स्वीप गोविंद राम जायसवाल तथा जिला विकास अधिकारी गोपाल गिरि गोस्वामी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। विकास भवन परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में सभी अधिकारियों एवं कार्मिकों ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए वृक्षारोपण किया और परिसर की सफाई भी की। इस अवसर पर मुख्य शिक्षा अधिकारी द्वारा उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को मतदाता शपथ भी दिलाई गई।

पंचायत चुनाव को लेकर सांसद महेंद्र भट्ट कल से निकलेंगे चुनाव प्रचार को

देहरादून। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में पार्टी अभियान को गति देने के लिए प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट बुधवार से 4 दिवसीय प्रवास पर निकलेंगे। पुनः प्रदेशाध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद अपने इस पहले दौरे पर वे देहरादून ग्रामीण से होते हुए उत्तरकाशी के गंगा यमुना घाटी क्षेत्र में संगठन की विभिन्न बैठकों में शामिल होंगे। प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान ने जानकारी दी कि प्रदेशाध्यक्ष का यह दौरा बुधवार सहसपुर विकासनगर से प्रारंभ होगा। जहां वह पार्टी के पंचायत चुनाव समन्वयक, जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, सह प्रभारी, विधानसभा विस्तारक समेत अपेक्षित पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। जिसके उपरांत चकराता में रात्रि विश्राम के बाद वह अगले दिन वहां पंचायत चुनाव संदर्भित पार्टी की बैठक में शामिल होकर, कालसी होते हुए पुरोला पहुंचेंगे।

हरेला पर्व पर राज्यव्यापी पौधारोपण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री धामी ने रोपा रुद्राक्ष का पौधा

पौधारोपण करते सीएम पुष्कर सिंह धामी।

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को उत्तराखंड के लोकपर्व हरेला के पावन अवसर पर गोरखा मिलिट्री इंटर कॉलेज परिसर, देहरादून में "हरेला का त्योहार मनाओ, धरती माँ का ऋण चुकाओ" थीम पर आयोजित राज्यव्यापी पौधारोपण कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए समस्त प्रदेशवासियों को हरेला पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने रुद्राक्ष का पौधा रोपा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरेला केवल एक पर्व नहीं, बल्कि उत्तराखंड की संस्कृति, प्रकृति और चेतना से जुड़ा एक गहरा भाव है, जो हमें पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारियों की याद दिलाता है। उन्होंने बताया कि हरेला पर्व के दिन लगभग 5 लाख पौधे रोपे जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन विभाग के प्रत्येक डिवीजन में 50 प्रतिशत फलदार पौधे लगाए जाने का लक्ष्य तय किया गया है। उन्होंने कहा कि इस महाभियान में सरकार द्वारा जनसहभागिता, स्वयंसेवी संगठनों, छात्र–छात्राओं, महिला समूहों और पंचायतों का सहयोग लिया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि हमें

प्रदेश में हरेला का त्योहार मनाओ, 'धरती माँ का ऋण चुकाओ' थीम पर किया गया पौधारोपण

यह सुनिश्चित करना होगा कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल की जाए, जब तक वे वृक्ष का रूप न ले लें। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड प्राकृतिक सौंदर्य और जैव विविधता से समृद्ध राज्य है, जिसकी रक्षा करना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे 'पंचामृत संकल्प', 'नेट जीरो इमिशन', 'लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट' और 'एक पेड़ माँ के नाम' जैसे अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार भी इन्हीं मूल्यों को आत्मसात करते हुए कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष देशभर में 108 करोड़ पौधे लगाए जाने का लक्ष्य रखा गया है।

शेष खबर पेज आठ पर देखे

गौचर के हिमवीरों ने वृक्षारोपण करके पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

चमोली। विरेन्द्र सिंह रावत, सेनानी, 8वीं वाहिनी, आई०टी०बी०पी० के कुशल नेतृत्व एवं निर्देशन में, उत्तराखण्ड के प्रसिद्ध श्लोकपर्व हरेलाश के अवसर पर आई०टी०बी०पी० कैम्प परिसर में धनपुर रेंज केदारनाथ वन्य जीव प्रभाग गोपेश्वर के साथ व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण किया गया। बड़े भू–भाग पर वृक्षारोपण करने के उपरांत सेनानी 8वीं वाहिनी द्वारा पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए बताया गया कि पर्यावरण का हम सभी के जीवन में महत्वपूर्ण योगदान है, पर्यावरण के बिना मानव का भविष्य सुरक्षित नहीं रह सकता है। पर्यावरण से ही हमारा अस्तित्व है अर्थात पर्यावरण से ही हम बने है और प्रकृति व पर्यावरण को बचाने का मतलव ही स्वयं को बचाना है। लेकिन बड़ी ही विडंबना की बात है कि आज मानव स्वयं तक ही सीमित रह गया है।

संवेदनशील प्रशासन प्रथम पंक्ति में आपदाग्रस्त गांव बटोली, प्रभावितों के द्वार, लगाया मेडिकल कैम्प

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। जिले के मिसराज पट्टी के बटोली गांवं जिसका सम्पर्क टूट गया था विगत दिवस जिलाधिकारी सविन बसंल संग प्रशासनिक अमला प्रथम पंक्ति में गावं पहुच स्थानियों निवासियों को हॉल जाना तथा प्रशासन ने मौके पर ही ग्रामवासियों हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया।

वहीं मौके पर ही ग्रामवासियों के मांग प्रस्तावों को मजूर किया गया। जिलाधिकारी ने भ्रमण के दौरान उप जिलाधिकारी को निर्देशित किया था गांव वासियों को तहसील से सम्बन्धित शासकीय कार्यो हेतु गांव से बाहर न

शिविर में स्वास्थ्य जांच करते चिकित्साकर्मी।

जाना पड़े गांव में ही सभी औपचारिकताएं पूर्ण की जाए। साथ ही जिलाधिकरी एएनएम को उनके निर्धारित दिवसों में गावं विजिट करने के भी निर्देश दिए गए है। साथ ही ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच करने के निर्देश दिए गए थे, जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में आपदा प्रभावित बटोली गांव में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा गांव में खुली ओपीडी चलाकर ग्रामवासियों की स्वास्थ्य जांच की गई, जिसमें 16 लोगों ने जांच कराई तथा अन्य स्वास्थ्य परीक्षण हीमोग्लोबिन, बीपी, सुगर, आदि जांच कराते हुए मौके पर ही दवाई वितरण की गयी।

जिला प्रशासन द्वारा अतिवृष्टि के कारण खाईयुक्त बने टीले में परिवर्तित शेरू खाला के रास्ते जिस पर रास्ता बनाने में महीनों का समय लगता जिला प्रशासन ने रातोरात रास्ता तैयार कराने के साथ ही वैकल्पिक मार्ग बनाया गया है। जिलाधिकारी ने भ्रमण के दौरान सभी परिवारों के किराये हेतु 3.84 लाख का एडवांस चौक मौके पर ही हस्तगत किया गया था, जिसमें 4–4 हजार प्रति परिवार प्रतिमाह सभी परिवारों का तीन महीने के लिए सुरक्षित स्थानो पर रहने के लिए दिए गए हैं। जिलाधिकारी के निर्देश पर वर्षाकाल पूरे 3 महीनें तक रास्ता दुरस्ती हेतु क्षेत्र 24×7 मैनपावर मशीनरी तैनात की गई है। बच्चों को प्रतिदिन आवागमन न कराने का अनुरोध करते हुए स्कूल के नजदीक ही मकान किराये पर लेकर पठन – पाठन कराने का अनुरोध प्रशासन द्वारा किया गया है जिस हेतु 3 माह के लिए धनराशि चेक मौके पर ही हस्तगत कर दिया गया था।

संपादकीय

युद्धविराम वार्ता से दबाव बढ़ा

शास पार्टी ने विवादास्पद मसौदा कानून पर गहरी असहमति का हवाला देते हुए अपने गठबंधन से अलग होने की घोषणा की। यह गठबंधन पार्टी एक अन्य अति–रूढ़िवादी गुट द्वारा भी इसी विवादास्पद मुद्दे पर समर्थन वापस लेने के कुछ ही दिनों बाद अलग हुई है, जिससे कमजोर सत्तारूढ़ गठबंधन और कमजोर हो गया है। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के गठबंधन को एक बड़ा झटका देते हुए प्रमुख सहयोगी सरकार से बाहर हो गई है। सरकार से समर्थन वापस लेने के परिणामस्वरूप संसद में नेतन्याहू के पास अल्पमत की स्थिति आ गई है। शास पार्टी ने विवादास्पद मसौदा कानून पर गहरी असहमति का हवाला देते हुए अपने गठबंधन से अलग होने की घोषणा की। यह गठबंधन पार्टी एक अन्य अति–रूढ़िवादी गुट द्वारा भी इसी विवादास्पद मुद्दे पर समर्थन वापस लेने के कुछ ही दिनों बाद अलग हुई है, जिससे कमजोर सत्तारूढ़ गठबंधन और कमजोर हो गया है। अल्पमत सरकार का नेतृत्व करना नेतन्याहू के लिए शासन करना एक चुनौती बना देगा। लेकिन शास ने कहा कि एक बार गठबंधन से बाहर होने के बाद वह गठबंधन को कमजोर नहीं करेगी और कुछ कानूनों पर उसके साथ मतदान कर सकती है। वह इसके पतन का समर्थन भी नहीं करेगी। यह राजनीतिक उथल–पुथल ऐसे समय में सामने आई है जब इजराइल और हमास गाजा के लिए अमेरिका समर्थित युद्धविराम प्रस्ताव पर बातचीत कर रहे हैं। हालाँकि नेतन्याहू की सरकार में बदलाव से वार्ता पटरी से नहीं उतरेगी, लेकिन इजराइली नेता अपने दक्षिणपंथी गठबंधन सहयोगियों की माँगों के प्रति अधिक संवेदनशील होंगे, जो हमास के बने रहने के दौरान 21 महीने से चल रहे युद्ध को समाप्त करने का विरोध करते हैं। इजराइल के शीर्ष सहयोगी अमेरिका और मध्यस्थ मिस्र व कतर के भारी दबाव के बावजूद, वार्ता में अभी तक कोई प्रगति नहीं हुई है। इससे पहले मंगलवार को, यहूदी जन नीति संस्थान के उपाध्यक्ष शुकी फ्रीडमैन ने कहा कि वर्तमान में विचाराधीन मसौदा कानून और पार्टी की मांगों के बीच अभी भी बहुत बड़ा अंतर है, जिससे उस दौरान किसी समझौते की संभावना कम है।

जागेश्वर मंदिर समिति के श्रावणी मेले के शुभारंभ कार्यक्रम में सीएम ने वर्चुअली प्रतिभाग किया

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को जागेश्वर मंदिर समिति द्वारा आयोजित श्रावणी मेले 2025 के शुभारंभ अवसर पर वर्चुअल माध्यम से प्रतिभाग करते हुए सभी श्रद्धालुओं एवं आयोजकों को मेले की शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जागेश्वर धाम देवभूमि उत्तराखंड की पौराणिक सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि श्रावणी मेला न केवल एक धार्मिक आयोजन है, बल्कि यह हमारी लोक आस्था, परंपराओं एवं सांस्कृतिक मूल्यों का जीवंत प्रतीक भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सांस्कृतिक विरासत के पुनरुत्थान का अमृतकाल चल रहा है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक तथा केदारनाथ–बद्रीनाथ धाम के पुनर्निर्माण इसके उत्कृष्ट उदाहरण हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार मानसखंड मंदिर माला मिशन के अंतर्गत कुमाऊं के प्रमुख धार्मिक स्थलों के संरक्षण एवं विकास के लिए

सीएम पुष्कर सिंह धामी।

प्रतिबद्ध है। जागेश्वर मास्टर प्लान के प्रथम चरण में ₹146 करोड़ की स्वीकृति दी जा चुकी है। दूसरे चरण की विकास परियोजनाएं भी स्वीकृत हो चुकी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनपद अल्मोड़ा में कोसी नदी के किनारे 40 किमी का साइकिल ट्रैक, शीतलाखेत को ईको टूरिज्म, द्वाराहाट और बिनसर को आध्यात्मिक पर्यटन के रूप में विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार उत्तराखंड को अग्रणी राज्य बनाने के लिए कार्यरत है। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार उत्तराखंड ने सतत विकास लक्ष्यों में देश में पहला स्थान प्राप्त किया है। राज्य में बेरोजगारी दर राष्ट्रीय औसत से कम हुई है। पिछले चार वर्ष में 24 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा धार्मिक व सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा हेतु सख्त धर्मांतरण विरोधी कानून, समान नागरिक संहिता और ऑपरेशन कालनेमी जैसे कठोर कदम भी उठाए गए हैं। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा, विधायक मोहन सिंह मेहरा, उपाध्यक्ष मंदिर प्रबंधन समिति नवीन भट्ट, जिलाधिकारी अल्मोड़ा आलोक कुमार पांडेय, मुख्य विकास अधिकारी रामजी शरण शर्मा मौजूद थे।

नोबेल शांति पुरस्कार अभी 2025 की घोषणा हुई नहीं परंतु 2026 के लिए दावेदारी का कार्ड शुरू

नोबेल शांति पुरस्कार की चाहत, ट्रंप का गुणा भाग उतावलापन- शांति स्थापित करने के दावों का ठोस सबूत नहीं?- राह आसान नहीं?

गोंदिया। वैश्विक स्तरपर कुछ वर्षों से सारी दुनियाँ देख रही है की विशेष रूप से राजनीतिक वजन रखने वाले व्यक्ति अपने उस राजनीतिक वजन को बढ़ाने व मजबूत करने विश्व के सबसे बड़े पुरस्कार पाने की जिज्ञासा रखते हैं, उसके लिए अंदरखाने उठापटक करते हैं,गुणाभाग करते हैं, ताकि वह पुरस्कार उसको मिल जाए, परंतु वे शायद यह भूल जाते हैं कि ऐसे भी कई लोग हैं जिन्होंने उस क्षेत्र में अपना पूरा जीवन, छुपा रुस्तम रहकर नश्वर कर दिया है, परंतु कभी पुरस्कार कि आस नहीं रखी। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि, सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार पाने वाला व्यक्ति वही होना चाहिए,जिसका टारगेट पुरस्कार नहीं वह संबंधित काम हो, वैचारिकता ऐसी होनी चाहिए कि मैं पुरस्कार के पास नहीं जाऊंगा, पुरस्कार मेरे पास चलकर आएगा,यह बात तब होती है,जब उसका काम बोलता है और पुरस्कार भी उसके पास दौड़े चले आता है।आज हम इस विषय पर चर्चा इसीलिए कर रहे हैं क्योंकि, पिछले कुछ दिनों से अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप से जोड़कर जो शांति नोबेल पुरस्कार की चर्चा चल रही है, व अभी पाक के बाद इजरायल ने भी ट्रंप का नॉमिनेशन कर दिया है परंतु दुनियाँ देख रही है, पाक– इजराइल का युद्ध में व्यवहार व दूसरी ओर अभी इजराइल– हमास रूस–यूक्रेन चरम पर है तो इधर भारत–पाक थाईलैंड– कंबोडिया तनातनी भी बनी हुई है, अभी तक इनके बीच शांति का कोई ठोस आधार नहीं है। चूँकि नोबेल शांति पुरस्कार अभी 2025 का घोषित हुआ ही नहीं है, परंतु 2026 के लिए दावेदारी का कार्ड शुरू हो गया है,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,वैश्विक पुरस्कार (नोबेल या कोई भी) पानें का हकदार वही है, जो खुद नहीं उसका काम बोले, उसे मांगना नहीं पड़े उसे देने की मांग उठे,पुरस्कार चलकर उसके पास आए।

साथियों बात अगर हम ट्रंप को संभाव्य नोबेल शांति पुरस्कार 2026 की जोरों पर हो रही चर्चा की करें तो,डायनामाइट के आविष्कारक और स्वीडिश उद्योगपति अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत कहती है कि नोबेल का शांति पुरस्कार उस व्यक्ति को दिया जाना चाहिए,ष्जिसने राष्ट्रों के बीच भाईचारे को बढ़ाने, स्थायी सेनाओं को समाप्त करने या कम करने, तथा शांति सम्मेलनों की स्थापना और संवर्धन के लिए सबसे अधिक या सर्वोत्तम कार्य किया हो, इजरायल और पाकिस्तान की ओर से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम इस पुरस्कार के लिए भेजे जाने पर सोशल मीडिया में खूब चर्चा हो रही है कि इस पुरस्कार को किसे दिया जाना चाहिए और किसे नहीं।गौरतलब है कि अब तक चार अमेरिकी राष्ट्रपतियों को यह पुरस्कार मिल चुका है, इनके नाम हैं– थियोडोर रूजवेल्ट, वूड्रो विल्सन, जिमी कार्टर और बराक ओबामा। अगर ट्रंप को नोबेल पुरस्कार मिलेगा तो वे इससम्मान को पाने वाले 5 वें अमेरिकी राष्ट्रपति होंगे।नोबेल शांति पुरस्कारों को अक्सर राजनीतिक संदेश के रूप में देखा जाता है, नोबेल पुरस्कार की वेबसाइट का स्वयं मानना है कि कुछशख्सियतें जिन्हें शांति पुरस्कार मिले हैं वे ष्अत्यधिक विवादास्पद राजनीतिक एक्टिविस्टष् रहे हैं। इन पुरस्कारों ने अंतरराष्ट्रीय या राष्ट्रीय संघर्षों की ओर जनता का ध्यान भी बढ़ाया है। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ओबामा को प्रेसिडेंट बनने के कुछ महीनों बाद ही यह पुरस्कार मिल गया था, इसपर काफी प्रतिक्रियाएं देखने को मिली थी।1994 में एक सदस्य ने तब पद छोड़ दिया जब फिलिस्तीनी नेता यासर अराफात ने इजरायल के शिमोन पेरेज और यित्जाक राबिन के साथ नोबेल का शांति पुरस्कार साझा किया था। अब वर्ष 2026 के लिए इस पुरस्कार के लिए नॉमिनेट होने के बाद ट्रंप उत्साहित हैं, उन्होंने इस नॉमिनेशन के लिए इजरायल के पीएम की तारीफ भी की थी। ट्रंप लंबे समय से इस पुरस्कार के लिए खुद को दावेदार मानते हैं,फरवरी में बेंजामिन से मुलाकात के दौरान ट्रंप ने कहा था,वे लोग हमें कभी भी नोबेल शांति पुरस्कार नहीं देंगे, ये बहुत गलत है, लेकिन मैं इसके योग्य हूं, पर वो मुझे देंगे नहीं, इसके बाद जून में इजरायल–ईरान के बीच लड़ाई हुई, इस जंग के बाद इजरायल ने ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया। बता दें कि ट्रंप को 2018, 2020 और 2021 में नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया जा चुका है, इसके बाद ट्रंप ने एक बार फिर से अपनी पैरवी शुरू कर दी है। 8 जुलाई को एक रैली में ट्रंप ने कहा हम एक ऐसे समझौते पर हस्ताक्षर करने जा रहे हैं जिस पर कई दशकों में हस्ताक्षर नहीं किए गए हैं, यह शांति की कोशिश है और यह इजरायल के प्रयासों का नतीजा है, ये वो चीजें हैं जिनके बारे में किसी ने नहीं सोचा था कि वे की जा सकती हैं, आप जानते हैं कि यह एक अद्भुत बात है.ष्अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा, ष्मैं यह अहंकार से नहीं कह रहा हूं, लेकिन मुझे नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया गया था, अब मुझे आपको बताना होगा यह एक बड़ी बात है,और दूसरे नेटवर्क और अधिकांश समाचारों ने इसे कवर नहीं किया, क्या आप कल्पना कर सकते हैं? जब ओबामा सत्ता में आए, तो उन्होंने कहा, ‘हम उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार देने जा रहे हैं इसपर ओबामा ने सचमुच कहा, ष्मैंने क्या किया? मैंने कुछ नहीं किया, उन्होंने आठ साल तक कुछ नहीं किया, सचमुच में ष्ट्रंप ने कहा कि उन्होंने कुछ ही हफ्तों में ओबामा को नोबेल पुरस्कार दे दिया।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि नोबेल शांति पुरस्कार की चाहत,ट्रंप का गुणा भाग उतावलापन –शांति स्थापित करने के दावों का ठोस सबूत नहीं?–राह आसान नहीं?नोबेल शांति पुरस्कार अभी 2025 की घोषणा हुई नहीं परंतु 2026 के लिए दावेदारी का कार्ड शुरू, वैश्विक पुरस्कार (नोबेल या कोई भी) पानें का हकदार वही है, जो खुद नहीं उसका काम बोले, उसे मांगना नहीं पड़े उसे देने की मांग उठे,पुरस्कार चलकर उसके पास आए।

लेखक – कर विशेषज्ञ स्तंभकार
एडवोकेट किशन सनमुखदास
भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया की अध्यक्षता में हुई इंडिया पोस्ट व्यवसायिक बैठक

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया के नेतृत्व में डाक विभाग ने नई दिल्ली में अपनी वार्षिक व्यावसायिक बैठक 2025–26 का आयोजन किया।

इस कार्यनीतिक बैठक में देश भर के सर्किल प्रमुखों ने भारतीय डाक के व्यावसायिक रूपांतरण की रूपरेखा और एक प्रमुख लॉजिस्टिक्स एवं नागरिक–केंद्रित सेवा प्रदाता के रूप में इसकी उभरती भूमिका पर विचार–विमर्श किया। डाक सचिव वंदिता कौल ने गर्मजोशी और अंतर्दृष्टिपूर्ण संबोधन के साथ कार्यक्रम का उद्घाटन किया और विभाग की पिछले वर्ष की प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने भविष्य की कार्यनीतिक प्राथमिकताओं पर जोर दिया, जिनमें नवोन्मेषण, समावेशिता और इंडिया पोस्ट को एक आधुनिक, सेवा–संचालित संगठन के रूप में निरंतर विकसित करना शामिल है।

बैठक में मंचासीन केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया।

आंतरिक संचार और ज्ञान साझाकरण को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, श्री सिंधिया ने एक नया मासिक ई–न्यूजलेटर, डाक संवाद लॉन्च किया। यह प्लेटफॉर्म नवोन्मेषणों, व्यावसायिक अंतर्दृष्टि और क्षेत्र की सफलता गाथाओं को उजागर करेगा, साथ ही रूपांतरण की सरल कहानियों, इंडिया पोस्ट के कर्मचारियों के अदम्य उत्साह और उनके द्वारा सेवा प्रदान किए जाने वाले नागरिकों के अटूट विश्वास को भी सामने लाएगा। डाक संवाद का उद्देश्य विशाल इंडिया पोस्ट नेटवर्क में हितधारकों को प्रेरित, शिक्षित और परस्पर जोड़ना है।

बैठक के दौरान, सभी सर्किल प्रमुखों ने अपने व्यावसायिक निष्पादन, क्षेत्रीय पहलों, चुनौतियों और विकास को गति देने की कार्यनीतियों पर प्रस्तुति दी। इन प्रस्तुतियों में राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्य करने और लॉजिस्टिक्स, बैंकिंग, ई–कॉमर्स और सार्वजनिक सेवा वितरण में इंडिया पोस्ट की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए किए जा रहे जीवंत और जमीनी प्रयासों पर प्रकाश डाला गया। श्री सिंधिया ने प्रतिनिधियों के साथ गहन बातचीत की और प्रत्येक क्षेत्र के विकास, बाधाओं और आकांक्षाओं को ध्यान से सुना। अपने संबोधन में, उन्होंने ग्रामीण–शहरी अंतर को पाटने और मजबूत लॉजिस्टिक्स, वित्तीय समावेशन और डिजिटल कनेक्टिविटी के माध्यम से समावेशी विकास को मजबूत करने में इंडिया पोस्ट की महत्वपूर्ण भूमिका को दोहराया। श्री सिंधिया ने कहा, इंडिया पोस्ट सिर्फ एक सेवा नहीं, बल्कि हमारे देश के सुदूर कोनों को जोड़ने वाली एक जीवनरेखा है। देश के हर कोने से ऊर्जा, प्रतिबद्धता और विचारों को देखकर गर्व होता है। संगठन की प्रगतिशील गति की सराहना करते हुए, श्री सिंधिया ने इंडिया पोस्ट की कॉर्पोरेट–शैली संरचना अपनाने के लिए प्रशंसा की, जो प्रदर्शन मानकों, नवोन्मेषों और जवाबदेही को प्राथमिकता देती है।

भारतीय सेना में भर्ती होने के लिए युवाओं को किया प्रेरित

देहरादून। भारतीय सेना के युवाओं को जागरूक और प्रेरित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'कारवां टॉकीज–जाइन इण्डियन आर्मी' अभियान के अंतर्गत 15 और 16 जुलाई को हरिद्वार ज़िले के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों में दो दिवसीय प्रेरणादायक आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए गए। यह आयोजन ओम आयुर्वेदिक कॉलेज (ग्रोरवाला), श्री स्वामी भुमानंद कॉलेज ऑफ नर्सिंग (अलीपुर), और पतंजलि विश्वविद्यालय (हरिद्वार) में सफलतापूर्वक संपन्न हुए।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विषयों के छात्र–छात्राओं एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सेना के प्रेरणादायक सत्रों से गहराई से जुड़े। सेना के प्रतिनिधियों ने अग्निवीर भर्ती, तकनीकी ट्रेड्स जैसे कि सेना चिकित्सा कोर (नर्सिंग असिस्टेंट), रिमाउंट वेटरनरी कोर और अधिकारियों के स्तर पर प्रवेश की जानकारियाँ ऑडियो–विजुअल डिस्प्ले और व्यक्तिगत संवाद के माध्यम से साझा कीं।

कारगिल विजय दिवस पर शहीद परिवारों को किया जाएगा सम्मानित: सैनिक कल्याण मंत्री

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने आज कैंप कार्यालय में सैनिक कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर आगामी 26 जुलाई को मनाए जाने वाले कारगिल विजय दिवस (शौर्य दिवस) के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा की।

सैनिक कल्याण मंत्री जोशी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कारगिल युद्ध में शहीद हुए उत्तराखंड के वीर जवानों के परिजनों, वीरांगनाओं एवं वीर माताओं के सम्मान में आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों की तैयारियां समयबद्ध और गरिमामयी ढंग से पूरी की जाएं। उन्होंने कहा कि शौर्य दिवस केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि शहीदों के प्रति हमारी श्रद्धांजलि और कृतज्ञता का प्रतीक है। बैठक में मंत्री ने देवभूमि उत्तराखंड में निर्माणाधीन सैन्य धाम के कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्य तय समय सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। इसके साथ ही प्रदेश में शहीद द्वारों के निर्माण और सैनिक विश्राम गृहों के जीर्णोद्धार कार्यों को भी गति देने के निर्देश दिए।

बैठक में सैनिक कल्याण निदेशक ब्रिगेडियर (सेनि) अमृत लाल, संयुक्त सचिव सुनील सिंह, अनुसचिव निर्मल कुमार, उपनिदेशक कर्नल (सेनि) योगेन्द्र कुमार, विंग कमांडर (सेनि) निधि बधानी, रविन्द्र कुमार, योगेश कुमार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हरिद्वार में एक ही दिन में 31 लाख श्रद्धालुओं ने भरा गंगाजल

हरिद्वार (नजरिया खबर ब्यूरो)। श्रावण मास की शुरुआत के साथ ही कांवड़ यात्रा ने रफ्तार पकड़ ली है। पहले ही सप्ताह में आस्था का जनसैलाब हरिद्वार से लेकर गंगनहर पटरी और नेशनल हाईवे तक उमड़ पड़ा है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच धर्मनगरी पूरी तरह शिवमय हो गई है। पुलिस प्रशासन द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 10 जुलाई से लेकर मंगलवार शाम 6 बजे तक कुल 80 लाख 90 हजार कांवड़ यात्री हरिद्वार से गंगाजल लेकर अपने गंतव्य की ओर लौट चुके हैं।

हालांकि, कांवड़ मेले की औपचारिक शुरुआत 11 जुलाई से मानी जा रही है, लेकिन श्रद्धालु उससे पहले ही हरिद्वार पहुंचने लगे थे। सोमवार शाम 6 बजे से मंगलवार शाम 6 बजे के बीच ही करीब 31 लाख श्रद्धालुओं ने हर की पैड़ी और

कांवड़िए।

भगवा रंग में रंगी धर्मनगरी, हर-हर महादेव के नारों से गूंजा वातावरण

अन्य घाटों से गंगाजल भरा। हरिद्वार की सड़कें, गंगनहर किनारे की पटरी और हाईवे शिवभक्तों की कतारों से भर चुके हैं। भगवा वस्त्रधारी शिवभक्तों के "बोल बम", "हर–हर महादेव" और "बम बम भोले" के जयघोष से संपूर्ण वातावरण गूंज रहा है। भीड़ को नियंत्रित करने और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासन पूरी सतर्कता के साथ तैनात है। श्रद्धा और सुरक्षा दोनों को संतुलित रखने की चुनौती को प्रशासन अब तक बखूबी संभाल रहा है।

शिक्षा विभाग में 1556 युवाओं को मिलेगा रोजगार, शिक्षा मंत्री ने एक माह में भर्ती के दिए निर्देश

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। सूबे के विद्यालयी शिक्षा विभाग में सैकड़ों युवाओं को जल्द रोजगार के अवसर मिलने जा रहे हैं। विभाग शीघ्र ही समग्र शिक्षा के तहत स्वीकृत संविदा के 1556 पदों को आउटसोर्स के माध्यम से भरेगा। इस संबंध में विभागीय मंत्री ने अधिकारियों को एक माह के भीतर भर्ती करने के निर्देश दिये हैं।

विद्यालयी शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत ने अपने शासकीय आवास पर समग्र शिक्षा के तहत स्वीकृत संविदा के पदों पर भर्ती को लेकर समीक्षा बैठक ली। मीडिया को जारी बयान में

शिक्षा मंत्री।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में शैक्षणिक गतिविधियों में सुधार एवं गुणवत्ता के दृष्टिगत समग्र शिक्षा के तहत रिक्त पदों को शीघ्र भरा जायेगा, जिसके लिये प्रयाग पोर्टल के माध्यम से आउटसोर्स एजेंसी का चयन कर लिया गया है।

राज्य समग्र शिक्षा परियोजना के अंतर्गत प्रदेश में भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित विभिन्न संवर्ग के कुल 1556 पद स्वीकृत हैं, जिनमें 161 विशेष शिक्षक, 324 लेखाकार कम सपोर्टिंग स्टॉफ, 95 कैरियर काउंसलर तथा विद्या समीक्षा केन्द्र के 18 पद सहित मनोविज्ञानी, मैनेजर आईसीटी व मैनेजर ट्रेनिंग के एक–एक पद शामिल है। इन सभी पदों पर आउटसोर्स के माध्यम से युवाओं को मैरिट के आधार पर भर्ती किया जायेगा। इसके लिये विभागीय अधिकारियों को एक माह के भीतर भर्ती प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दे दिये गये हैं।

विभागीय मंत्री ने बताया कि समग्र शिक्षा के अंतर्गत बीआरपी–सीआरपी के 955 पदों पर भर्ती प्रक्रिया अंतिम चरण में है। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव–2025 के दृष्टिगत राज्य में लागू आदर्श आचार संहिता समाप्त होते ही चयनित युवाओं को तैनाती दे दी जायेगी। इसके लिये आउटसोर्स एजेन्सी को काउन्सिलिंग प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से सम्पादित करने, चयनित अभ्यर्थियों को उनके मण्डल व गृह विकासखण्ड के अनुरूप तैनाती में वरीयता देने के निर्देश दिये गये हैं। बैठक में दीप्ति सिंह, राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा उत्तराखण्ड, कुलदीप गैरोला, अपर राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा उत्तराखण्ड, अजीत भण्डारी, उप राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा उत्तराखण्ड, भगवती प्रसाद मैन्दोली, स्टॉफ आफिसर, समग्र शिक्षा उत्तराखण्ड तथा चयनित आउटसोर्स एजेंसी के प्रतिनिधि मोर सिंह व हरिओम उपस्थित रहे।

“सामाजिक सुरक्षा सेवा समिति” ने मनाया हरेला पर्व, 50 से अधिक पोधे रोपकर पर्यावरण को दिया योगदान

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। हरेला पर्व खास तौर से उत्तराखंड के कुमाऊं मंडल में मनाया जाता है। पहाड़ी राज्य उत्तराखंड में कई लोक पर्व मनाये जाते हैं जिनमें से एक है हरेला। हरेला की खास बात ये है कि इसे सावन के महीने में मनाया जाता है। इस पर्व में प्रकृति पूजन किया जाता है और पौधे भी रोपे जाते हैं। इस तरह यह पर्व पर्यावरण संरक्षण से जुड़ा हुआ है।

इसी क्रम में आज रिंग रोड स्थित ''सामाजिक सुरक्षा सेवा समिति'' के तत्वाधान में बड़ी संख्या में पोधारोपण किया गया, जिसमें समिति के सदस्यों ने बड़ा चढ़ कर हिस्सा लिया। सभी सदस्यों ने 50 से अधिक पोधे लगाकर पर्यावरण के लिये अपनी भूमिका निभाई। समिति के आग्रह पर आये क्षेत्रीय पार्षद दिनेश सेमवाल ने समिति के ओर से पहली पोधा लगाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सर्वप्रथम क्षेत्रीय पार्षद ने हरेला पर्व की शुभकामायें दी और कहा कि

हरेला पर्व के मौके पर सामाजिक सुरक्षा सेवा समिति के पदाधिकारी।

हरेला पर्व प्रकृति और मनुष्य के बीच अंतरसम्बन्ध बनाए रखने का एक अनूठा त्योहार है।

मनुष्य को प्रकृति से जो कुछ भी प्राप्त होता है, वह अनमोल है। प्रकृति ने हमें वन दिएए जहां विभिन्न प्रकार की जड़ी.बूटियां पाई जाती हैंए उन जड़ी.बूटियों का प्रयोग कई तरह की दवाईयां बनाने में होता है। आपको बता दें कि भारत के 35 लाख लोगों की आजीविका वनों के माध्यम से चलती है। इसी के चले ''सामाजिक सुरक्षा सेवा समिति'' के अध्यक्ष विपिन सिंह ने कहा कि लोक पर्व हरेला उत्तराखंड की लोक संस्कृतिए चेतना और पर्यावरण का प्रतीक है। हरेला पर्व हमे प्रकृति के साथ जोड़ने का संदेश देता है।

उन्होंने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी संपूर्ण उत्तराखंड में हरेला उत्सव मनाया जा रहा है। इस वर्ष धरती माँ का ऋण चुकाओ एक पेड़ माँ के नाम थीम पर मनाया जा रहा है। आइये हम सब मिलकर प्रकृति पूजन एवं पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लें। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुये ''सामाजिक सुरक्षा सेवा समिति'' के महासचिव राजीव मैथ्यू ने कहा कि मुख्यरूप से हरेला पर्व उत्तराखंड के लोगों द्वारा अच्छी फसल के लिए मनाया जाता है।

यह त्यौहार उत्तराखंड के कुमाऊं एवं गढ़वाल दोनों की क्षेत्रों में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि इस पर्व के 9 दिन पहले से ही उत्तराखंड के लोग एक टोकरी में विभिन्न प्रकार के अनाज बोकर रख देते हैंए और यदि हरेला पर्व के दिन तक टोकरी में बहुत अच्छे से अनाज की पौध उग जाती हैए तो माना जाता है कि इस वर्ष की फसल बहुत अच्छी रहेगी। इस अवसर पर विपिन सिंह, राजीव मैथ्यू, सुगंती कश्यप, राजगिरी, बीरेन्द्र कश्यप, पूनम सिंह, भगवती चौहान, नीतू कश्यप, संदीप भट्ट, एकता, दिनेश चंद्र जुयाल, प्रदीप गुसाई शुभम ठाकुर, महावीर सिंह आदि उपस्थित रहे।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने तीन कांग्रेस नेताओं को दिखाया बाहर का रास्ता

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा लम्बे समय से पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्त तीन पार्टी नेताओं को तत्काल प्रभाव से कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से 6 साल के लिए निष्कासित किया गया है। पोखडा ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कीरत सिंह रावत द्वारा पार्टी समर्थित उम्मीदवार होने के बावजूद विपक्षी उम्मीदवार के के समर्थन में अपना नामांकन वापस लेकर न केवल कांग्रेस पार्टी बल्कि स्थानीय जनता एवं कांग्रेसजनों की भावनाओं के साथ भी खिलवाड कर धोखा दिया गया है। इसी प्रकार पूर्व ब्लाक अध्यक्ष खिर्सू चतर सिंह रावत द्वारा पार्टी के समर्थित उम्मीदवार के खिलाफ चुनाव में प्रतिभाग किया जा रहा है। एक अन्य प्रकरण में पार्टी के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता सुलेमान अली द्वारा लम्बे समय से पार्टी अनुशासन के खिलाफ अनर्गल बयानबाजी को भी प्रदेश नेतृत्व ने गम्भीरता से लेते हुए देहरादून महानगर कांग्रेस कमेटी की संस्तुति पर उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई का निर्णय लिया है।

लोक पर्व हरेला पर कृषि मंत्री गणेश जोशी ने शासकीय आवास पर किया वृक्षारोपण

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने आज लोकपर्व हरेला के पावन अवसर पर अपने शासकीय आवास पर अपनी धर्मपत्नी निर्मला जोशी के साथ फलदार वृक्ष का रोपण किया। इस अवसर पर मंत्री ने प्रदेशवासियों को हरेला पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि हरेला का अर्थ हरियाली से जुड़ा है और यह पर्व हरियाली, समृद्धि एवं नई ऋतु की शुरुआत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि परंपरागत मान्यताओं के अनुसार हरेला जितना बड़ा होगा, किसान की फसल उतनी ही अधिक फलदायी होगी। उन्होंने कहा कि हरेला उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ा पर्व है, जो हमें हरियाली, पशुपालन और प्रकृति के साथ सामंजस्य का संदेश देता है। मंत्री ने कहा कि श्रावण मास में हरेला पूजन के उपरांत वृक्षारोपण की परंपरा उत्तराखंड की विशेष पहचान रही है। कृषि मंत्री ने इस अवसर पर लोगों से आह्वान किया कि "एक वृक्ष लगाना दस बच्चों के समान है"।

बीकेटीसी ने सावन संक्रांति से विश्व शांति के लिए रुद्राभिषेक पूजा शुरू की

केदारनाथ (नजरिया खबर ब्यूरो)। ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग श्री केदारनाथ धाम में आज श्रावण संक्रांति के पावन अवसर पर श्री बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) ने जगत कल्याण एवं विश्वशांति के संकल्प के साथ ब्रह्मकमल अर्पितकर रुद्राभिषेक पूजा शुरू की है यह विशेष पूजा पूरे श्रावण माह तक चलेगी। बीकेटीसी मुख्य कार्याधिकारी विजय प्रसाद थपलियाल ने बताया कि ब्रह्मकमल के पुष्पों से भगवान केदारनाथ की विशेष पूजा संपन्न की जा रही है वहीं श्रावण मास संक्रांति के दिन हरेला के अवसर पर ब्रह्म कमल के पौधों का रोपण भी किया गया।

उल्लेखनीय है कि ग्यारहवें ज्योर्तिलिंग केदारनाथ में सावन मास में पूजा अर्चना का विशेष महत्व है। सावन माह शुरू होते ही बड़ी संख्या में कांवड़ यात्री भी केदारनाथ धाम पहुंच रहे हैं तो स्थानीय श्रद्धालुओं के पहुंचने का क्रम भी जारी है। बीकेटीसी मीडिया प्रभारी डा. हरीश गौड़ ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि श्री केदारनाथ मंदिर ब्रह्ममुहुर्त में तीर्थयात्रियों के दर्शन हेतु खुल रहा है तथा तीर्थयात्री भगवान केदारनाथ का जलाभिषेक तथा दुग्धाभिषेक कर रहे है। सावन संक्रांति के अवसर पर बीकेटीसी मुख्य कार्याधिकारी विजय प्रसाद थपलियाल सहित, तीर्थ पुरोहित उमेश पोस्ती,श्री केदार सभा के पदाधिकारियों एवं प्रभारी अधिकारी यदुवीर पुष्पवान, प्रबंधक अरविंद शुक्ला, शैलेन्द्र शुक्ला,पारेश्वर त्रिवेदी, कुलदीप धर्म्वाण द्वारा भगवान केदारनाथ को ब्रह्मकमल अर्पित किये गये।

प्रकृति से प्रेम का उत्सवः सीआईएमएस कॉलेज में हरेला पर्व पर वृक्षारोपण व चेतना संवाद आयोजित

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। उत्तराखण्ड की समृद्ध लोक परंपरा और पर्यावरण संरक्षण के संदेश को समर्पित हरेला पर्व के उपलक्ष्य में, सीआईएमएस एंड आर कॉलेज, देहरादून में एक विशेष कार्यक्रम आओ प्रकृति संवारे, हरेला उत्सव मनाएं का आयोजन किया गया।

यह आयोजन विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान उत्तराखण्ड प्रांत, सजग इंडिया एवं सीआईएमएस कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. जे.एम.एस. राणा मुख्य अतिथि, प्रो. अनीता रावत,

पौधारोपण करते हुए।

उत्तराखण्ड सचिवालय अनुभाग अधिकारी राजीव नयन पांडे, सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज चम्बा के प्रधानाचार्य इन्द्रपाल सिंह परमार, सरस्वती विद्या मंदिर मसूरी के प्रधानाचार्य मनोज रयाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान सभी अतिथियों ने कॉलेज परिसर में वृक्षारोपण किया।

इस अवसर पर सी.आई.एम.एस एंड यूआईएचएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेज एव सजग इंडिया के अध्यक्ष एडवोकेट ललित मोहन जोशी ने सभी अतिथियों का सौहार्दपूर्ण स्वागत किया और हरेला के आयोजन एवं पर्यावरणीय महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने उत्तराखण्ड में विशेष रूप से कुमाऊं क्षेत्र में पारम्परिक तौर पर मनाए जाने वाले हरेला पर्व के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि हरेला से 9 दिन पूर्व 5 या 7 अनाजों को रिंगाल की टोकरी अथवा पत्तों से बनाई गए टोकरियों में बोया जाता है। और सुबह ताजे पानी से इसे सींचा जाता है। इसे धूप की सीधी रोशनी से भी बचाया जाता है, और 9वें दिन गुडाई करने के बाद 10वें दिन इसकी पूजा करने के बाद हरेले को काटकर चढ़ाया जाता है। फिर घर के बड़े–बुजुर्ग सभी के शिरोधार्य करते हुए अपना आशीर्वाद देते हैं।

उन्होंने कहा कि आज के युग में प्रकृति से जुड़ाव और हरियाली का संरक्षण समय की आवश्यकता है, और हरेला इस दिशा में जनजागृति का पर्व बन सकता है।

हरेला पर्व पर सेंचुरी मिल एवं वन विभाग ने हजारों पौधे रोपे

लालकुआं। (नजरिया खबर ब्यूरो)। उत्तराखंड के सुप्रसिद्ध लोक पर्व हरेला के अवसर पर सेंचुरी पेपर मिल, वन विभाग एवं वन विकास निगम सहित विभिन्न क्षेत्रों में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गये। जहां फलदार, छायादार के साथ–साथ औषधीय पौधे भी रोपे गये।

हरेला पर्व के अवसर पर यहां सेंचुरी पल्प एंड पेपर मिल परिसर में ऐतिहासिक पहल के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मिल परिसर में 5000 से अधिक पौधों का पौधारोपण कर धरती को हरा–भरा रखने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सेंचुरी मिल के सीईओ अजय गुप्ता और जिला उद्योग केंद्र, हल्द्वानी की महाप्रबंधक पल्लवी गुप्ता के संयुक्त नेतृत्व में किया गया। जिसमें अमलतास, कचनार, नीम, करौंदा, कनेर, गुलमोहर, अशोक सहित कई पर्यावरणीय दृष्टि से उपयोगी प्रजातियों के पौधे रोपे गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मिल के सीईओ अजय गुप्ता ने कहा कि इस वर्ष मिल का लक्ष्य 2 करोड़ पौधे रोपने का है। कार्यक्रम में मिल के वरिष्ठ अधिकारी सीओओ प्रणव शर्मा, सीएफओ महेन्द्र कुमार हरित, एचआर हेड संजय बाजपेयी, उपाध्यक्ष नरेश चंद्रा, संजय यादव, अनिल दुबे, राकेश कुमार, वंदना, सुष्मिता, चित्रा, जिला उद्योग केंद्र, हल्द्वानी की टीम से तृप्ति गुप्ता, सीमा बिष्ट, मोहित वाल्मीकि, प्रदीप सनवाल आदि भी उपस्थित रहे।

तराई पूर्वी वन प्रभाग के अंतर्गत डौली रेंज के हाईटेक नर्सरी परिसर में वन विभाग द्वारा आयोजित हरेला महोत्सव का शुभारंभ वन क्षेत्राधिकारी नवीन पवार एवं नगर पंचायत अध्यक्ष सुरेंद्र लोटनी ने संयुक्त रूप से करते हुए कहा कि ग्लोबल वार्मिंग को देखते हुए सभी को एक पौधारोपण कर उसके संरक्षण की शपथ लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज हमें शुद्ध जलवायु एवं पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता है।

इस दौरान उन्होंने अमरूद, आंवला, अनार, आम एवं करौदे के पौधे लगाकर श्रावण मास के आगमन पर वृक्षारोपण का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में व्यापार मंडल अध्यक्ष दीवान सिंह बिष्ट, सांसद प्रतिनिधि लक्ष्मण खाती, भाजपा मंडल अध्यक्ष अरूण जोशी, सभासद धन सिंह बिष्ट, बॉबी संभल, श्रीकृष्ण भट्ट, नंदन सिंह राणा सहित कई जनप्रतिनिधि एवं वनकर्मी मौजूद रहे।

इसके अलावा वन विकास निगम के डिपो संख्या एक में नगर पंचायत लालकुआं द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान मौजूद अतिथि एवं अधिकारीगण।

हरेला पर्व पर मंडी बायपास पर हरित क्रांति की मिसाल

हल्द्वानी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा प्रारंभ किए गए "एक पेड़ मां के नाम" अभियान को जनभागीदारी और प्रशासनिक संकल्प के साथ मूर्त रूप देते हुए नगर निगम हल्द्वानी ने मंडी बायपास क्षेत्र को हरा–भरा और आकर्षक स्वरूप प्रदान कर दिया है। यह अभियान जिलाधिकारी के निर्देशन में और उनके द्वारा वृक्षारोपण के लिए उपलब्ध कराए गए वित्तीय सहयोग के माध्यम से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। वर्षों से उपेक्षित और कूड़े के ढेर में तब्दील यह इलाका अब हरे–भरे वृक्षों और रंग–बिरंगे फूलों से सजा हुआ नजर आता है।

वरिष्ठ समाजसेवी संजीव चौधरी का हृदय गति रुकने से दिल्ली में हुआ निधन

लालकुआं। नगर के वरिष्ठ समाजसेवी एवं प्रसिद्ध व्यवसाई संजीव चौधरी का हृदय गति रुकने से निधन हो गया। उनके निधन का समाचार सुनते ही क्षेत्र में जहां शोक की लहर व्याप्त हो गई, वहीं परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

नगर के वार्ड नंबर 5 निवासी होली ट्रिनिटी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के स्वामी एवं नगर के वरिष्ठ समाजसेवी संजीव चौधरी उम्र 60 वर्ष का दिल्ली में हर्दयगति रुकने से निधन हो गया, वह दिल्ली के निजी अस्पताल में गॉलब्लैडर का ऑपरेशन कराने के उद्देश्य से गए थे, इस बीच एक जांच की प्रक्रिया से गुजरने के दौरान अचानक उन्हें हृदयाघात हुआ और दिल्ली के प्रमुख अस्पताल में होने के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। संजीव चौधरी अपने पीछे पत्नी और पुत्र पुत्री समेत भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। चौधरी परिवार में संजीव चौधरी दिवंगत वरिष्ठ समाजसेवी चौधरी बदन सिंह के तीन पुत्र और एक पुत्री में सबसे बड़े थे।

गैस सिलेंडर से लदे वाहन की चपेट में आकर युवक की मौत, पत्नी और दो बच्चे घायल

लालकुआं (नजरिया खबर ब्यूरो)। तीनपानी से हल्दुचौड़ के बीच हाईवे में बने बेतरतीब कट के चलते हुई भीषण सड़क दुर्घटना में आज एक और युवा की दर्दनाक मौत हो गई। गौलापार निवासी उक्त युवक परिवार के साथ हरेला पर्व के अवसर पर किच्छा निवासी अपने साले के घर जा रहे थे, गोरापड़ाव बाजार में स्थित हाईवे में बने कट पर यह दर्दनाक हादसा हो गया।

जानकारी के अनुसार गौलापार के नवाड़खेड़ा बागजाला निवासी कन्नू सिंह सम्बल उम्र 30 वर्ष अपनी पत्नी और पुत्र–पुत्री के साथ स्कूटी द्वारा किच्छा निवासी अपने साले के घर हरेले का त्योहार देने जा रहे थे, कि वह गोरापड़ाव बाजार में पहुंचे ही थे कि वहां पर स्थित हाईवे में बने कट पर सामने से आ रहे एक तेज गति के भारत पेट्रोलियम के गैस सिलेंडरों से लदे वाहन ने स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे कुचलकर कन्नू सिंह सम्भल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी और दोनों बच्चे गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इधर गोरापड़ाव क्षेत्र के वरिष्ठ समाजसेवी गोपाल सिंह अधिकारी ने कहा कि गोरापडाव में बना उक्त बेतरतीब कट यथाशीघ्र बंद किया जाए, अन्यथा ग्रामीण उग्र आंदोलन करने पर बाध्य हो जाएंगे। इधर प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल मोटाहल्दु के अध्यक्ष संदीप पांडे ने चेतावनी दी है कि हाईवे द्वारा तीनपानी से हल्दूचौड़ के बीच जगह–जगह बनाए गए बेतरतीब कट बंद नहीं किये तो व्यापारी एवं ग्रामीण उग्र आंदोलन शुरू करेंगे।

शिव महापुराण कथा में भगवान शिव की महिमा का किया बखान

लालकुआं (नजरिया खबर ब्यूरो)। यहां अष्टादश भुजा महालक्ष्मी मंदिर में आयोजित ग्यारह दिवसीय संगीतमय शिव महापुराण के छठे दिवस के अवसर पर व्यास पंडित शशांक भारद्वाज ने शिव कथा का महत्व सुनाया।

बुधवार को छठे दिन की कथा के दौरान व्यास पं शशांक भारद्वाज ने कहा की शिव पुराण सभी पुराणों में सबसे महत्वपूर्ण है। इसे सुनने से ही पाप कट जाते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान शिव त्याग तपस्या और करुणा की मूर्ति है। रुद्राक्ष भगवान शिव का साक्षात स्वरूप है। वह जीवन में उर्जा का एक सुरक्षा कवच बन कर मनुष्य का कल्याण करता है। उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति शिव भगवान की पूजा बेल पत्री के पत्तों से करता है उसका जीवन धन्य हो जाता है। इस मौके पर मंदिर के व्यवस्थापक एवं वरिष्ठ महामंडलेश्वर स्वामी सोमेश्वर यति महाराज ने ने बताया कि सोमवार 21 जुलाई को पूर्णाहुति के मौके पर हवन यज्ञ का आयोजन किया जायेगा।

इसके बाद भव्य भंडारे के साथ शिव महापुराण कथा का पारायण होगा। उन्होंने इस आयोजन में क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील भी की। इस दौरान मुख्य यजमान अनिल अग्रवाल और रेखा अग्रवाल, यहां मौजूद ट्रस्टियो में अशोक मित्तल, सुरेश मित्तल, उमेश वार्ष्णेय, भूमेश अग्रवाल, अनिल मित्तल, कमल द्विवेदी, अंजनी तिवारी और मोहन पांडे समेत सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

शिव महापुराण कथा का वाचन करते कथा व्यास एवं उपस्थित श्रद्धालु।

छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रार्थना स्थलीय कार्यक्रम बेहद महत्वपूर्ण : आकाश सारस्वत

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान गौचर चमोली में डीएलएड प्रथम सेमेस्टर के प्रशिक्षुओं के लिए पांच दिवसीय प्रार्थना स्थलीय कार्यक्रम कार्यशाला का आयोजन डायट प्राचार्य आकाश सारस्वत के निर्देशन में किया गया। जिसमें 34 प्रशिक्षुओं ने प्रतिभाग किया।

प्राचार्य ने बताया कि प्रार्थना सभा की तमाम गतिविधियां प्रशिक्षुओं व विद्यालयी छात्र–छात्राओं के सर्वांगीण विकास, स्थिरता, आध्यात्मिक विकास तथा आत्म–अनुशासन के लिए बेहद अहम है।साथ ही प्रशिक्षुओं को स्वाध्याय करने व समयबद्ध रहने का भी संदेश दिया। कार्यक्रम समन्वयक श्री योगेन्द्र सिंह बर्त्वाल ने कहा कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षुओं में समय प्रबंधन कौशल, जिम्मेदारी की भावना, प्रार्थना, समूह गान व अन्य गतिविधियों को बेहतर तरीके से करना है। कार्यशाला के समापन पर मंच संचालन करते हुए शैक्षिक तकनीकी विभाग से कार्यक्रम सह समन्वयक सुमन भट्ट ने कहा कि कार्यशाला के माध्यम से प्रशिक्षुओं में राष्ट्रीय एकता की भावना, सकारात्मकता, आशावादी दृष्टिकोण, नैतिक मूल्यों, अच्छे आचरण व ध्यान लगाने की क्षमता विकसित होती है। उद्घाटन सत्र पर मंच संचालन कार्यक्रम सह समन्वयक श्री बचन जितेला द्वारा किया गया। मुख्य संदर्भ दाता के रूप में हारमोनियम पर मनोज हटवाल राइका बैरासकुंड, तबले पर नंद किशोर मिश्रा राप्राावि हरनी तथा ड्रम सेट पर सेना से सेवानिवृत्त अधिकारी खुशाल सिंह रहे। कार्यशाला में प्रशिक्षुओं को पांच हिन्दी, एक संस्कृत, दो गढवाली प्रार्थनायें, छः हिंदी, एक संस्कृत, दो गढवाली समूह गान तथा छः अन्य राष्ट्रीय भाषाओं के समूह गान सिखाये गये। सीखने के पश्चात सभी प्रशिक्षुओं ने अपनी प्रस्तुति प्राचार्य के सम्मुख दी। पृष्ठ पोषण के तौर पर प्रशिक्षु अंजलि बिष्ट, भावना पंत, पंकज व विपिन ने कार्यशाला को लाभप्रद बताया।

इस अवसर पर डायट के वरिष्ठ संकाय सदस्य श्री राजेंद्र प्रसाद मैखुरी, श्री वीरेंद्र कठैत, श्री रवींद्र बर्त्वाल, डा गज पाल राम, श्री सुबोध डिमरी तथा कार्यक्रम सह समन्वयक नीतू सूद उपस्थित रहे।

हरेला पर्व पर हर्षोल्लास एवं पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ मनाया

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। परंपरागत लोक पर्व हरेला जनपद चमोली में हर्षोल्लास एवं पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रख्यात पर्यावरणविद् चंडी प्रसाद भट्ट जी ने पौधरोपण कर कार्यक्रम की शुरुआत की इस क्रम में जिलाधिकारी संदीप तिवारी द्वारा भी पौधारोपण किया गया।

जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने हरेला पर्व के उपलक्ष्य में गोपेश्वर–घिंघराण मोटर मार्ग के पास निर्माणाधीन नए बस अड्डे के पास पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि हरेला केवल एक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति से जुड़ाव और पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है। यह पर्व हमें हरित क्षेत्र को बढ़ाने और जलवायु संतुलन बनाए रखने के लिए प्रेरित करता है। इस अवसर पर प्रख्यात पर्यावरणविद् श्री चंडी प्रसाद भट्ट ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि युवा, महिलाएं और छात्र आज पर्यावरण संरक्षण के सबसे बड़े सहयोगी बनकर सामने आ रहे हैं। उनके प्रयासों से पर्यावरण को मजबूती मिली है। उन्होंने यह भी कहा कि आमजन को यह समझाना होगा कि जंगल में आग लगने से सबसे पहला नुकसान स्वयं जनता को ही होता है, इसलिए सभी को मिलकर वनों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदारी लेनी होगी।

जिलाधिकारी ने बताया कि हरेला पर्व के अवसर पर जनपद के सभी विकासखंडों में व्यापक पौधरोपण अभियान चलाया जा रहा है तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि लगाए गए पौधों की देखरेख और संरक्षण की प्रभावी व्यवस्था की जाए, ताकि वे सुरक्षित रूप से विकसित हो सकें। कार्यक्रम के अंत में पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई और यह संकल्प लिया गया कि आने वाली पीढ़ियों को हरित एवं स्वच्छ उत्तराखंड सौंपने के लिए हर नागरिक अपनी भूमिका निभाएगा। पौधरोपण कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष संदीप रावत,वन संरक्षक नंदादेवी नेशनल पार्क पंकज कुमार, पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी,डीएफओ केदारनाथ तरुण एस, डीएफओ बद्रीनाथ सर्वेश दुबे,अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, महिला मंगल दल सहित अन्य अधिकारी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

हरेला पर्व पर नैनीताल पुलिस ने किया वृक्षारोपण

नैनीताल। 'हरेला का त्योहार मनाओ, घरती मां का ऋण चुकाओ एक पेड़–मां के नाम' की थीम को सार्थक करने के उद्देश्य से ' प्रहलाद नारायण मीणा एसएसपी नैनीताल' के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से नैनीताल पुलिस द्वारा सभी थानों, इकाइयों ओर शाखाओं में वृक्षारोपण किया गया। डॉ जगदीश चंद्र एसपी क्राईमध्ट्रैफिक नैनीताल एवं प्रकाश चंद्र एसपी सिटी हल्द्वानी' द्वारा थाना काठगोदाम में जाकर अधीनस्थ पुलिस बल के साथ वृक्षारोपण किया गया। सभी पुलिस कर्मियों को पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान देने तथा देवभूमि की अमूल्य धरोहर विभिन्न प्रजातियों की वनस्पति और पौधों का अधिक से अधिक मात्रा में रोपण करने हेतु प्रेरित किया गया।

हेमकुंड साहिब यात्रा में चमोली पुलिस की सराहना, दिल्ली पुलिस ने किया सम्मानित

चमोली। श्री हेमकुंड साहिब यात्रा 2025 के दौरान दिल्ली पुलिस के विशेष आयुक्त स्वयं यात्रा पर आए थे। यात्रा के दौरान भारी भीड़, विषम भूगोल, कठिन मौसम और ऊंचाई जैसे चुनौतियों के बावजूद चमोली पुलिस द्वारा की गई चाक–चौबंद व्यवस्था, अनुशासन और यात्रियों के प्रति संवेदनशील व्यवहार देखकर वे अत्यंत प्रसन्न और प्रभावित हुए।

इसी उत्कृष्ट सेवाभाव और जिम्मेदारी को देखते हुए दिल्ली पुलिस के विशेष आयुक्त द्वारा थानाध्यक्ष गोविन्दघाट विनोद रावत, चौकी प्रभारी घांघरिया अमनदीप सिंह सहित कांस्टेबल गौरव, कांस्टेबल राहुल सिंह, कांस्टेबल भूपेन्द्र सिंह, होमगार्ड मुकेश व होमगार्ड सचिन को प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान न केवल व्यक्तिगत कर्तव्यनिष्ठा का बल्कि चमोली पुलिस की टीम भावना, सेवाभाव और अनुशासन का प्रतीक है।

शंकराचार्य स्वामिश्रीः अविमुक्तेश्वरानंदः सरस्वती ने दी हरेला और श्रावण संक्रांति की मंगल कामना

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य स्वामिश्रीः अविमुक्तेश्वरानंदः सरस्वती ११००८ जी महाराज ने हरेला पर्व एवं श्रावण संक्रांति की उत्तराखंड वासियों को मंगल कामनाएं प्रेषित की है । महाराष्ट्र के मुम्बई शहर में अपना चातुर्मास्य व्रत कर रहे शंकराचार्य जी महाराज ने वीडियो सन्देश के माध्यम से सभी प्रदेश वासियों को शुभकामनाएं दी।

निर्गत संदेश में ज्योतिष्पीठाधीश्वर शंकराचार्य जी महाराज ने कहा कि हरेला पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिए समर्पित पर्व है । इस अवसर पर हम सबको संकल्प लेना चाहिए कि हम अपनी वसुंधरा को हमेशा हरा–भरा रखने के साथ ही पर्यावरण को प्रदूषण से मुक्त रखें । इसके

अलावा पूज्य शंकराचार्य जी ने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में संक्रांति से श्रावण मास की शुरुआत हो गई । वे सभी भक्तों को इस अवसर पर शुभकामनाएं प्रेषित करते हैं और भगवान आशुतोष से प्रार्थना करते हैं सभी लोग निरोगी एवं स्वस्थ रहें। उक्त जानकारी शंकराचार्य जी महाराज के मीडिया प्रभारी संजय पाण्डेय ने दी है।

गौचर के ग्रामीणों ने हरेला पर्व हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। गौचर नगरपालिका क्षेत्र में उत्तराखण्ड लोकपर्व हरेला दिवस पर जनकल्याण लोक सेवा समिति गौचर और झिरकोटी में महिला मंगल दल व युवक मंगल दल पौधारोपण किया गया। जन कल्याण लोक सेवा समिति गौचर ने नगर क्षेत्र के क्षेत्रपाल रावल देवता के प्रांगण एवम खेल मैदान में पौधारोपण के तहत फूलों के पौधा रोपण किया गया और साथ ही साथ सभी लोगों ने देखभाल की सपथ भी ली।

इस कार्यक्रम में जनकल्याण लोकसेवा समिति के अध्यक्ष सुनील पंवार, सचिव सुबेदार कुशाल सिंह नेगी, सांस्कृतिक विंग के अध्यक्ष शिव चरणसिंह बिष्ट, महिला विंग की अध्यक्ष बीना देवी, मुख्य प्राशसनिक अधिकारी राजेश सती, कल्पेश्वरी देवी, गोपाल दत्त थपलियाल, गोविन्द सिंह बिष्ट कुमारी दमयन्ती, पूर्व रेंज अधिकारी शतीस शैली, मंजुदेवी, सुमन रावत, इन्दू पंवार, संगीता देवी, भरत नेगी आदि उपास्थित थे। वहीं दूसरी ग्राम सभा झिरकोटी मे महिला मंगल दल एवम युवक मंगलदल एवम धनपुर रेंज गौचर द्वारा गांव के सरपंच राजे सिंह चौहान को 50 पौधे बांझ और बांस वितरण किये गये सामाजिक कार्यकर्ता राकेश चौहान ने बताया कि पिछले वर्ष हमारी ग्राम सभा द्वारा 500 बांझ के पौधे रोपण किये थे जिसमें से 450 पौधे सुरक्षित हैं। इसी के समीपवर्ती गांव बमोथ में भाजपा जिलाध्यक्ष एवं रानो जिला पंचायत सदस्य वार्ड से भाजपा प्रत्याशी गजपाल सिंह बर्त्वाल ने महिला मंगल दल के साथ पौधारोपण किया गया।

हरेला पर के अवसर पर उत्तरकाशी पुलिस ने वृक्षारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

उत्तरकाशी (नजरिया खबर ब्यूरो)। उत्तराखण्ड के लोक पर्व हरेला के अवसर पर आज 16 जुलाई 2025 को उत्तरकाशी पुलिस द्वारा श्री यमुनोत्री एवं गंगोत्री धाम सहित जनपद के सभी थानाध् चौकीध् शाखाध् इकाई पर वृहत स्तर पर वृक्षारोपण कर प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

जिला प्रशासन द्वारा '"हरेला का त्योहार मनाओ, धरती मां का ऋण चुकाओ, एक पेड़ – मां के नाम"' की थीम पर आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए 'पुलिस अधीक्षक सरिता डोबाल' द्वारा पुलिस–प्रशासन, वन विभाग,

छक्त्थ्,क्त्थ्,स्वास्थ्य विभाग आदि के अधिकारी व कर्मचारियों के साथ फायर स्टेशन लदाड़ी परिसर के आस–पास वृक्षारोपण किया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों द्वारा फलदार, छायादार, औषधीय गुणों से भरपूर पौधे रोपित किये गये । वहीं 'जनपद के सभी थाना कोतवाली शाखा इकाई पर पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा हरेला पर्व के अवसर वृक्षारोपण' किया गया। श्री गंगोत्री एवं यमुनोत्री धाम पर भी पुलिस जवानों द्वारा वृक्षारोपण कर प्रकृति को हरा–भरा रखने का संदेश दिया गया। 'पुलिस अधीक्षक सरिता डोबाल' द्वारा बताया गया कि लोक पर्व हरेला का उत्तराखण्ड में विशेष महत्व है।

हरेला पर एक पेड़ माँ के नाम थीम पर लगाये पेड़

उत्तरकाशी। बुधवार को प्रभागीय वनाधिकारी महोदय, उत्तरकाशी वन प्रभाग,उत्तरकाशी के निर्देशानुसार मुकेश रतूड़ी,वन क्षेत्राधिकारी बाड़ाहाट के नेतृत्व में नाल्ड कक्ष संख्या –1 में हरेला पर्व मनाया गया जिसमें कीर्ति मिस्त्री उपवन क्षेत्राधिकारी , वृदा प्रसाद उनियाल उपवन क्षेत्राधिकारी नवीन चंद्र भट्ट वन दरोगा , केंद्र सिंह पंवार ,वन दरोगा , सुभाष अवस्थी ,वन दरोगा,वन बीट अधिकारी खुशपाल सिंह, सुरेश चौहान,राजेन्द्र राणा, अनूप पंवार, आदि मौजूद रहे।

मकरंद देशपांडे और बृजेंद्र काला स्टार 'जान अभी बाकी है' का ट्रेलर लॉन्च

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। प्रशंसित अभिनेता बृजेंद्र काला और मकरंद देशपांडे ने आगामी म्यूजिकल ड्रामा फिल्म 'जान अभी बाकी है' के ट्रेलर का लॉन्च किया, जो 1 अगस्त 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। सत्यजीत द्वारा निर्देशित और आईजेएम प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित, फिल्म में प्रांजल शांदिल्या, स्वप्निल सिंह, राजेश जैस, रोहित पाठक और दिवंगत बिक्रमजीत कंवरपाल और अन्य जैसे प्रभावशाली कलाकार शामिल हैं।

मकरंद देशपांडे कहते हैं, यह एक अलग और असाधारण प्रेम कहानी है जो प्रेम की सीमाओं को दर्शाती है। कहानी किरदार कहीं न कहीं विज्ञान और अध्यात्म का मिश्रण रच रहा है, और एक प्रेम कहानी के माध्यम से एक महत्वपूर्ण विचार साझा किया गया है। निर्देशक सत्यजीत जी—और वे बहुत बुद्धिमान हैं—बड़ी विनम्रता और प्रेम से जानते हैं कि वे क्या बनाना चाहते हैं, और कुछ भी बनाते समय यह जानना बहुत जरूरी है। मुझे लगता है कि यह एक प्रेम कहानी

फिल्म के कलाकार।

है, इसलिए मुझे लगता है कि संगीत में प्रेम होगा। बृजेंद्र काला ने कहा, मैं किरदार के बारे में कुछ नहीं बताऊँगा, मुझे यह बहुत पसंद आया और मैं चाहता हूँ कि आप सभी इसे देखें। मेरे साथ काम करने का अनुभव वाकई बहुत अच्छा रहा, और मुझे उत्तराखंड में प्रकृति और ठंड के बीच शूटिंग करना हमेशा अच्छा लगता है, आप हर चीज का आनंद लेते हैं। यह एक बहुत अच्छी फिल्म हैय लोग इसे देखना पसंद करेंगे। किरदारों से लेकर कहानी तक, सब कुछ नया और ताजा है। फिल्म के निर्देशक सत्यजीत मिश्रा ने कहा, जान अभी बाकी है एक असाधारण प्रेम कहानी पर आधारित आगामी हिंदी फीचर फिल्म है। इस फिल्म की शूटिंग भारत के हिमालयी राज्य उत्तराखंड की खूबसूरत पहाड़ियों में बड़े पैमाने पर की गई है और इसका ट्रेलर पहले ही अपने चटपटे डायलॉग्स, शानदार विजुअल्स और दमदार परफॉर्मेंस के लिए दर्शकों और क्रिटिक्स से खूब प्यार बटोर रहा है। खासतौर पर मुख्य जोड़ी की केमिस्ट्री और फिल्म की अनोखी थीम ने लोगों की दिलचस्पी को और बढ़ा दिया है। फिल्म निर्देशक ने नए कलाकारों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया है। उन्होंने कहा कि हर नए कलाकार को मेहनत और लगन से काम करना चाहिए ताकि वे फिल्म उद्योग में सफलता प्राप्त कर सकें।

उत्तराखंड की विस्मयकारी पृष्ठभूमि पर आधारित, इस फिल्म की शूटिंग हिमालय के सुदूर इलाकों में 100 दिनों से भी ज्यादा समय तक चली, जिसमें इस क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता को कहानी के जीवंत और जीवंत हिस्से के रूप में दर्शाया गया है।

महेश मटकर द्वारा रचित साउंडट्रैक फिल्म के सबसे बेहतरीन तत्वों में से एक है। सोनी म्यूजिक इंडिया के सहयोग से, इस फिल्म में जुबिन नौटियाल, असीस कौर, पलक मुछाल, यासीर देसाई, हर्षदीप कौर, राज बर्मन, जावेद अली, निखिता गांधी, सलमान अली, देव नेगी, अमित मिश्रा, शाहिद माल्या, निहाल तौरो और अरुणिता कांजीलाल जैसे टॉप सिंगर्स ने अपनी आवाज दी है। वितरण पी स्क्वायर मीडिया द्वारा किया गया है। जान अभी बाकी है एक ऐसे युवक की कहानी है जो एक पर्यटक लड़की से गहराई से प्यार करने लगता है।

धरती के अंदर एकत्रित हुई ऊर्जा से वैज्ञानिकों की चिंता बढ़ी

देहरादून। हिमालय क्षेत्र विशेषकर उत्तराखंड में बड़ा भूकंप आ सकता है। यह आशंका देश के दिग्गज भू वैज्ञानिकों ने अपने अध्ययन में जताई है। उनका कहना है कि हिमालयी क्षेत्र में प्लेटों के घर्षण की वजह से ऊर्जा एकत्र हो रही है, जिसकी आहट राज्य और आसपास आ रहे भूकंप के छोटे झटकों से मिल रही है।

इसी वजह से जून में देहरादून में देश भर के भूवैज्ञानिक जुटे। उन्होंने वाडिया में "अंडरस्टैंडिंग हिमालयन अर्थक्वेक्स" पर और एफआरआई देहरादून में "अर्थक्वेक रिस्क एसेसमेंट" पर मंथन किया। इनमें वैज्ञानिकों ने स्पष्ट कहा कि अब जो भी बड़ा भूकंप आएगा, उसकी तीव्रता करीब 7.0 होगी। उन्होंने बताया कि 4.0 तीव्रता के भूकंप में जितनी ऊर्जा निकलती है, उससे करीब 32 गुना अधिक ऊर्जा 5.0 तीव्रता के भूकंप से निकलती है। मौजूदा समय में जो धीमे भूकंप आ रहे हैं, उनकी संख्या इतनी ज्यादा नहीं है कि ये कहा जा सके कि भूगर्भ से सारी ऊर्जा निकल गई है।

ग्रामीण परिवर्तन के प्रति दूरदर्शी पहलों के साथ नाबार्ड ने मनाया 44वां स्थापना दिवस

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक(नाबार्ड) ने चेन्नै में एक भव्य कार्यक्रम के माध्यम से अपना 44वाँ स्थापना दिवस समारोह मनाया. यह आयोजन भारत के ग्रामीण विकास में नाबार्ड की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है और संस्था की दूरदृष्टि के तहत आने वाले नए युग की शुरुआत को चिन्हित करता है. इस अवसर पर नीतिनिर्माता, राज्य सरकारों के अधिकारी, बैंकिंग क्षेत्र के प्रमुख और आधार स्तर पर काम करने वाले नवप्रवर्तक उपस्थित थे।

वित्तीय सेवाएँ विभाग के सचिव एम. नागराजू, तमिलनाडु सरकार के मुख्य सचिव एन. मुरुगानंदम की विशेष गरिमामयी उपस्थिति के साथ नाबार्ड के अध्यक्ष शाजी के. वी., उप प्रबंध निदेशक जी. एस. रावत और उप प्रबंध निदेशक ए. के. सूद भी उपस्थित थे। इस वर्ष का मुख्य विषय था ष्समावेशी विकास के लिए ग्रामीण उद्यमिता को प्रोत्साहन, जिस पर एक विचारोत्तेजक चर्चा का आयोजन हुआ. इस अवसर पर भारत के पारंपरिक हस्तशिल्प, कृषि उत्पादों और ग्रामीण नवोन्मेषों को दर्शाने वाली एक प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें ग्रामीण भारत की गतिशील ऊर्जा और नवोन्मेषों की झलक देखने को मिली। नाबार्ड के अध्यक्ष शाजी के. वी. ने अपने संबोधन में कहारू ष्हमारा 44 वर्षों का यह सफर ग्रामीण परिवर्तन के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है. वित्तीय पहुंच से लेकर नवोन्मेष और अनुकूलता बढ़ाने तक, हमने लाखों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है।

बुजुर्ग, महिला, बच्चों, असहाय का शोषण तिरस्कार होगा दण्डनीयः डीएम

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। जिलाधिकारी सविन बंसल के सम्मुख 15 जुलाई को अजबपुर निवासी एक 72 वर्षीय बुजुर्ग महिला सरस्वती देवी ने अपनी गुहार लगाई कि पूर्ति विभाग उनका राशन देने में आनाकानी कर रहा है। बुजुर्ग सरस्वती ने जिलाधिकारी को बताया कि उनके 3 पुत्र हैं जो सभी अपने—अपने परिवार संग अलग—अलग रहते हैं। वह अपना गुजारा अपनी विधवा पेंशन से चलाती हैं। उन्होंने डीएम को बताया कि राशन डीलर पूर्ति विभाग की सूची में नाम न होने का कारण बताकर राशन नहीं दे रहा है, जबकि पूर्व में उसे राशन मिलता था। उसने डीएम से राशन दिलाने की गुहार लगाई। जिस पर डीएम ने पूर्ति अधिकारी को तलब करते हुए तत्काल वस्तुस्थिति से अवगत कराने तथा महिला को राशन दिलाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी

जिलाधिकारी।

तक मामला पहुंचते ही पूर्ति विभाग के अधिकारीध् कार्मिकों के हाथ पांव फूल गए, कलेक्ट्रेट की कलम चलने से पहले ही पूर्ति विभाग के अधिकारीध्कार्मिक दौड़े—दौड़े बुजुर्ग महिला तक पहुंचे तथा बजुर्ग महिला का राशन कार्ड बहाल करते हुए उसी दिन 15 जुलाई को ही उनके कोटे का खाद्यान्न दिलाया। वहीं डीएम की सख्त चेतावनी है कि बुजुर्ग, महिला, बच्चों, असहाय का शोषण तिरस्कार होगा दण्डनीय है, इस प्रकार के मामले क्षम्य नही होंगे।

जिलाधिकारी अपने कार्यालय कक्ष में प्रतिदिन जनमानस की समस्याएं सुनते हैं तथा उनका निस्तारण हेतु संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित करते हैं।

निर्माण कार्यो से जनमन के अधिकार हुए बाधित तो सम्बन्धित एजेंसी पर कार्यवाही तयः डीएम

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मानसून काल में सड़कों पर जलभराव की समस्या के समाधान करने की दिशा में जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देश पर जिला प्रशासन की क्वीक रिस्पांस टीम पूरी सक्रियता के साथ मैदान में है।

आपदा नियंत्रण कक्ष में शिकायत प्राप्त होते ही टीम मौके पर पहुंचकर जलभराव सीवर लीकेज आदि समस्याओं का निस्तारण कर रही है। जिलाधिकारी के सख्त निर्देश है निर्माणदायी संस्थाएं अपना कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण कर लें। यदि निर्माण कार्यो से जनमन के

अधिकार बाधित हुए तो सम्बन्धित एजेंसियों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। जिला प्रशासन की सख्ताई से जहां जनमानस को राहत मिल रही है वहीं लापरवाही पर विभागों अधिकारियों के गले में आफत का सबब बन रही है। वर्षा के दौरान बंजारावाला लक्ष्य एन्क्लेव और आसपास के अन्य क्षेत्रों से जनमानस की सड़क पर जलभराव आदि शिकायत प्राप्त हो रही है। जिस क्यूआरटी टीम द्वारा मौके पर समाधान किये जा रहे है। बंजारावाला अन्तर्गत मुख्य सड़क पर सड़क कार्य पूर्ण हो गया है। आंतिरिक सड़कों पर 50 प्रतिशत् कार्य पूर्ण हो गया है। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था यूयूएसडीए के अधिकारियों शेष सड़क मरम्मत कार्य 3 दिन के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए है। अन्यथा सम्बन्धित के विरूद्ध मुकदमा दर्ज करने की चेतावनी दी गई है। जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में उप जिलाधिकारी न्याय कुमकुम जोशी ने क्षेत्र का भ्रमण कर निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते हुए 03 दिन के भीतर कार्य पूर्ण करने के जिलाधिकारी की चेतावनी से अवगत कराया। दून अस्पताल मार्ग पर सीवर ओवरफ्लो की शिकायत मिलने पर प्रशासन की क्यूआरटी सक्रिय होकर स्थिति को नियंत्रण करते हुए समाधान किया। यह कार्यवाही न केवल त्वरित थी, बल्कि समस्या की मूल जड़ अवैध रूप से जुड़े पाइपलाइन को चिन्हित कर स्थायी समाधान किया गया। निरीक्षण के दौरान बड़ी मात्रा में बोतलें, कचरा, मलबा और अन्य सामग्री भी सीवर से निकाली गई, जिससे सिस्टम पूरी तरह सुचारु हो गया। टीम द्वारा की गई गहन जांच में यह तथ्य सामने आया कि सड़क किनारे बने नाले से एक अवैध पाइपलाइन सीवर चौंबर से जोड़ी गई थी। प्राथमिक दृष्टि में यह आशंका जताई गई कि वर्षा के समय नाले का पानी इस सीवर चौंबर में प्रवेश कर रहा था, जिससे कुछ समय के लिए जलभराव जैसी स्थिति उत्पन्न हुई। टीम द्वारा अविलंब उक्त पाइपलाइन को बंद किया गया एवं सीवर लाइन की सफाई कर उसे सामान्य अवस्था में लाया गया।

करोड़ों की एमडीएमए ड्रग फैक्ट्री का पर्दाफाश, उत्तराखण्ड से नेपाल और मुंबई तक फैले नेटवर्क

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। एस0टी0एफ0 की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स द्वारा थाना नानकमत्ता क्षेत्र में स्थानीय पुलिस के साथ संयुक्त कार्यवाही करते हुये साहनी नर्सरी तिराहे, नानकमत्ता क्षेत्र से एम0डी0एम0ए0 ड्रग्स को तैयार करने वाले गिरोह के मुख्य सरगना कुनाल राम कोहली को इस ड्रग्स को तैयार करने हेतु प्रयोग किये जाने वाले विभिन्न प्रकार के प्रिकर्सर कैमिकल (रॉ मैटेरियल) लगभग 126 ली0 कैमिकल एव 28 किलो पाउडर फार्म व 7.41 ग्राम एम0डी0एम0ए0 बरामद हुयी।

नानकमत्ता थाने में मुकदमा पंजीकृत कराया गया। प्रकरण में पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ द्वारा जानकारी देते हुये बताया कि उक्त बरामद समस्त प्रिकर्सर कैमिकल एनडीपीएस के अर्न्तगत् प्रतिबन्धित

डीजीपी।

कैमिकल्स की श्रेणी में आते हैं जिनका बिना वैध लाईसेन्स के क्रय–विक्रय एवं परिवहन करना गैर कानूनी है। अभियुक्त द्वारा बताया गया कि नाला सुपारा, मुम्बई में रहनें वाले भीम यादव मोनू उर्फ ओम गुप्ता, बल्ली राम गुप्ता, नवीन नेपाली से मुलाकात मुम्बई में हुई थी। पिछले वर्ष जब मोनु गुप्ता तथा भीम यादव के विरूद्ध मुम्बई में नारकोटिक्स एक्ट में केस हुआ था तो मैं इन लोगों को अपने साथ फरारी काटने के लिये टनकपुर गैंडा खाली अपने घर ले आया था। इसी दौरान मेरी मुलाकात टनकपुर में नरेश शकरी व रोशन कोहली से हुयी। नरेश शकरी का घर गैंडाखाली में एकान्त में था तो हम सभी ने आपस में योजना बनाई कि यहॉ पर हम एम0डी0एम0ए0 ड्रग्स को बना सकते हैं। मोनू गुप्ता ने पहले बनारस में ड्रग्स बनाने की फैक्टी लगायी थी वहॉ भी यू0पी0 पुलिस ने छापा मार दिया था। पिछले वर्ष जून–जुलाई से हम लोग यहॉ रह रहे थे। यहॉ पर पहली बार मैनें ड्रग्स बनाने के लिये बनारस से कैमिकल मॅगाया था। जब तीन–चार किलो माल तैयार हो जाता था तब बल्ली राम गुप्ता माल को लेकर मुम्बई जाता था। एक बार जब बल्ली राम गुप्ता मुम्बई माल लेकर गया था तो वहॉ उसे मुम्बई पुलिस ने पकड़ लिया था। इसके बाद हमको कहीं और सुरक्षित स्थान चाहिये था तो हम लोगों ने पिथौरागढ़ के थल से आगे सुवालेख में एक फार्म किराये पर लेकर मुर्गी फार्म खोल लिया था तथा उसी की आड़ में हम लोग वहॉ एम0डी0एम0ए0 बनाने लगें।

दिनांक 27.06.2025 को जब पिथौरागढ़ वाली हमारी फैक्ट्री में मुम्बई पुलिस का छापा पड़ा और हमारा कैमिकल व उपकरण पकड़े गये तो हम लोगों ने बनबसा से अलग–अलग गाड़ियों से नेपाल भागने का प्लान बनाया। मोनू गुप्ता, भीम यादव व अमर कोली पलिया बार्डर के रास्ते नेपाल जाने वाले थे जिन्हें मुम्बई पुलिस ने पलिया बार्डर पर पकड लिया। दिनांक 12.07.2025 को जब बनबसा पुलिस ने राहुल की पत्नी को गिरफ्तार कर हमारी एम0डी0एम0ए0 उससे बरामद की तो हम लोग डर गये। हमें पता चला था कि उसमें हमारा भी नाम है तो हम बनबसा वापस आये तथा हमारे पास गैंडाखाली वाला जो कैमिकल बचा हुआ था उसके दिनांक 13.07.2025 की रात्रि में हमने चम्पावत से निकालकर नानकमत्ता डैम के पास एक खाली कमरे में रख दिया था। जब मुझे पता चला की राहुल भी पकडा जा चुका है तो मैं इस माल को डाम में फैंकन के लिये आज फिर से नानकमत्ता आया तो पुलिस ने मुझे पकड लिया।अभियुक्त कुनाल कोहली ही अपने साथियों के साथ मुम्बई से अपने दोस्तों को लाकर एम0डी0एम0ए0 ड्रग्स की फैक्ट्री को पहले जनपद चम्पावत तथा बाद में जनपद पिथौरागढ लगा कर एम0डी0एम0ए0 बना रहा था जिसकी खपत मुम्बई में ही की जा रही थी।

उच्च शैक्षणिक संस्थानों में एंटी ड्रग्स कैंपेन का एनफोर्समेंट अपेक्षा के अनुरूप करना सुनिश्चित करें: मुख्य सचिव

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने कहा कि राजधानी देहरादून में विभिन्न तकनीकी, मेडिकल और उच्च शिक्षण संस्थानों में नशा मुक्ति अभियान के तहत की जा रही एनफोर्समेंट की कार्रवाई से संतोष व्यक्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने निर्देशित किया कि ऐसे सभी शैक्षणिक संस्थानों तथा उसके सराउंडिंग स्थित रेस्टोरेंट, ढाबों इत्यादि पर रैंडमली छापेमारी करें। ड्रग लेने के वाले व्यक्ति की सैंपलिंग करें और उनका मेडिकल भी करें।

उन्होंने सभी शैक्षणिक संस्थानों को एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत उनकी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने को निर्देशित करने को कहा। साथ ही निर्देशित किया कि जो शैक्षणिक संस्थान एंटी ड्रग कैंपेन में लापरवाही दिखाते हैं उन पर एक्ट के अंतर्गत सख्त वैधानिक कार्रवाई करें। मुख्य सचिव ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि ड्रग्स से संबंधित विसिल ब्लोअर्स की सूचना पर ही डिपेंड ना रहें बल्कि प्रोएक्टिव होकर औचक छापेमारी करते हुए ड्रग्स पैडलर और यूजर को धर दबोचें।

मुख्य सचिव ने सख्त एनफोर्समेंट की कार्रवाई करने के अतिरिक्त सभी शैक्षणिक संस्थानों में सिविल सोसाइटी के सदस्यों, इस क्षेत्र में सक्रिय छात्र, महिला और युवा मंगल दलों के समन्वय से जागरूकता कैंपेन भी निर्देश दिए।

पुलिस ने अवैध स्मैक व शराब के साथ 3 युवकों को किया गया गिरफ्तार

बडकोट। बीते रोज थाना बडकोट पुलिस द्वारा अवैध स्मैक के साथ 2 तथा अवैध अंग्रेजी शराब के साथ 1 अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2025 को निष्पक्ष, सुरक्षित एवं पारदर्शी तरीके से सम्पन्न करवाने के लिए 'पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, सरिता डोबाल' के नेतृत्व में उत्तरकाशी पुलिस मुस्तैद है। 'पुलिस उपाधीक्षक, जनक सिंह पंवार' के निकट पर्यवेक्षण तथा 'थानाध्यक्ष बडकोट दीपक सिंह कठैत' के नेतृत्व में 'थाना बडकोट पुलिस' द्वारा कल 14 जुलाई 2025 को चौकिंग के दौरान बडकोट शिवमंदिर के पास से 'जसवंत उर्फ गोलू तथा सौरभ नाम के 2 युवकों को स्मैक की तस्करी करते हुये गिरफ्तार किया है।

न्यूज डायरी

केंद्रीय गृह मंत्री के प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में मुख्य सचिव ने ली समीक्षा बैठक

देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बर्धन की अध्यक्षता में आगामी 19 जुलाई को जनपद उधमसिंहनगर में केंद्रीय गृह मंत्री के प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। मुख्य सचिव ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मा गृह मंत्री के आगमन से संबंधित सभी तैयारियों और व्यवस्थाओं को समय से पूरा करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सुरक्षा, यातायात और अन्य व्यवस्थाओं को मौसम को ध्यान में रखते हुए संपादित करें तथा उसका वैकल्पिक प्लान भी तैयार रखें। संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि जिन विकास योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया जाना है उनकी सूची तैयार करें।

पंचायत चुनाव के लिए 1020 कार्मिकों का प्रशिक्षण सम्पन्न

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने के उद्देश्य से बुधवार को राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय और राजकीय इंटर कॉलेज गोपेश्वर में प्रशिक्षण सत्र के द्वितीय चरण के दूसरे दिन प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनरों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित इस प्रशिक्षण सत्र में 1020 कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में जोनल और सेक्टर मजिस्ट्रेटों को मतदान केंद्रों की निगरानी, शांतिपूर्ण व निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने, आदर्श आचार संहिता के अनुपालन, मतदान सामग्री की आपूर्ति एवं आपात स्थितियों से निपटने की रणनीतियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। वहीं पीठासीन अधिकारियों एवं मतदान अधिकारियों (प्रथम से चतुर्थ) को मतपेटी की सीलिंग, मत पत्र लेखा, टेंडर वोट, अभिकर्ता नियुक्ति, मतदान केंद्र की व्यवस्था, मतदाता पर्ची वितरण तथा संपूर्ण मतदान प्रक्रिया की सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. त्रिपाठी ने अधिकारियों को सभी शंकाओं का समाधान प्रशिक्षण के दौरान ही कर लेने को कहा, जिससे चुनाव प्रक्रिया को बिना किसी व्यवधान के शांतिपूर्वक संपन्न कराया जा सके।

पेज 01 का शेष...

हरेला पर्व पर राज्यव्यापी पौधारोपण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री धामी ने रोपा रुद्राक्ष का पौधा

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में पर्यावरण संरक्षण के लिए 'स्प्रिंग एंड रिवर रिजुविनेशन अथॉरिटी का गठन किया गया है। इसके माध्यम से अब तक 6,500 से अधिक जल स्रोतों का संरक्षण और 3.12 मिलियन घन मीटर वर्षा जल का संचयन किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है और वाहनों में कूड़ेदान अनिवार्य कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे अपने जीवन के विशेष अवसरों पर एक पौधा अवश्य लगाएं और उसकी देखभाल करें, जिससे पर्यावरण संरक्षण को जनांदोलन बनाया जा सके। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि उत्तराखंड में श्रावण मास में हरेला पूजन के उपरांत वृक्षारोपण करने की परंपरा सदियों से चली आ रही है, जो हमारी सांस्कृतिक चेतना और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का प्रमाण है। हरेला पर्व हमें यह सिखाता है कि प्रकृति की रक्षा करना केवल दायित्व नहीं, बल्कि एक पुनीत कर्तव्य है। वन मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि लोकपर्व हरेला प्रदेश के 2,389 स्थानों पर मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में हरेला पर्व पर लगाए गए पौधों का सर्वाइवल रेट 80 प्रतिशत से अधिक रहा है। इस अवसर पर विधायक सविता कपूर, खजान दास, देहरादून के मेयर सौरभ थपलियाल, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ, प्रमुख वन संरक्षक समीर सिन्हा सहित वन विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी नजरिया खबर के लिए स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक गीता जायसवाल द्वारा श्रेष्ठा प्रिन्टर्स, वार्ड नं.03,पो.ओ. लालकुंआ जिला–नैनीताल, उत्तराखण्ड से मुद्रित तथा 14–डी मीडो प्लाजा, प्रथम तल राजपुर रोड देहरादून, उत्तराखंड से प्रकाशित सम्पादक : विजय जायसवाल फोन नं. – 0135&2740930, 9837027458 RNI NO: UTTHIN/2008/25052 प्रकाशन सम्बन्धी सभी विवादों का निस्तारण सिर्फ देहरादून न्यायालय होगा। E-mail: nazariakhabar@gmail.com
Website : www.nazariyakhabar.com डाक पंजीयन : UA/DO/DDN/402/2017-19